पाठ 30

यूरोप महाद्वीप : भौगोलिक स्वरूप

आइए सीखें

- विश्व मानचित्र में यूरोप की स्थिति व विस्तार कहाँ से कहाँ तक है?
- यूरोप महाद्वीप की धरातलीय बनावट कैसी है?
- यूरोप की जलवायु तथा वनस्पति किस प्रकार की है?

स्थिति एवं विस्तार

आकार और क्षेत्रफल की दृष्टि से यूरोप विश्व में छठवें नम्बर का महाद्वीप है, जो आस्ट्रेलिया को छोड़कर अन्य सभी महाद्वीपों से छोटा है। यह महाद्वीप **35° उत्तरी अक्षांश से 72° उत्तरी अक्षांश तथा 25° पश्चिमी देशान्तर से 65° पूर्वी देशान्तर के बीच स्थित है।** यूरोप महाद्वीप के उत्तर में आर्कटिक महासागर, पश्चिम में अटलांटिक महासागर तथा दक्षिण में भूमध्य सागर और काला सागर है। महाद्वीप के पूर्वी भाग में समुद्र न होने से, इसकी पूर्वी सीमा यूराल पर्वत, यूराल नदी और कैस्पियन सागर बनाते हैं, जो यूरोप को एशिया से अलग करते हैं। यूरोप और एशिया दोनों महाद्वीप मिलकर यूरेशिया कहलाते हैं।

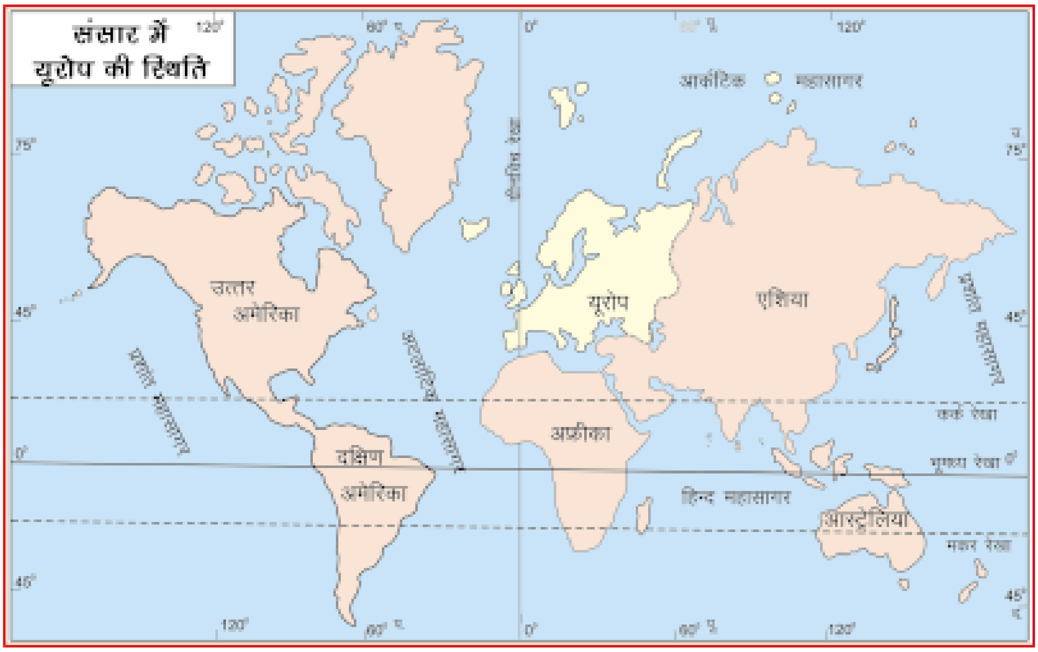

मानचित्र क्र.-13: संसार में यूरोप महाद्वीप की स्थिति

शिक्षण संकेत

- शिक्षक विश्व के मानचित्र में यूरोप की स्थिति बतलाते हुए समझाएँ कि वह किस प्रकार एशिया से अलग है और यूरेशिया क्या है?

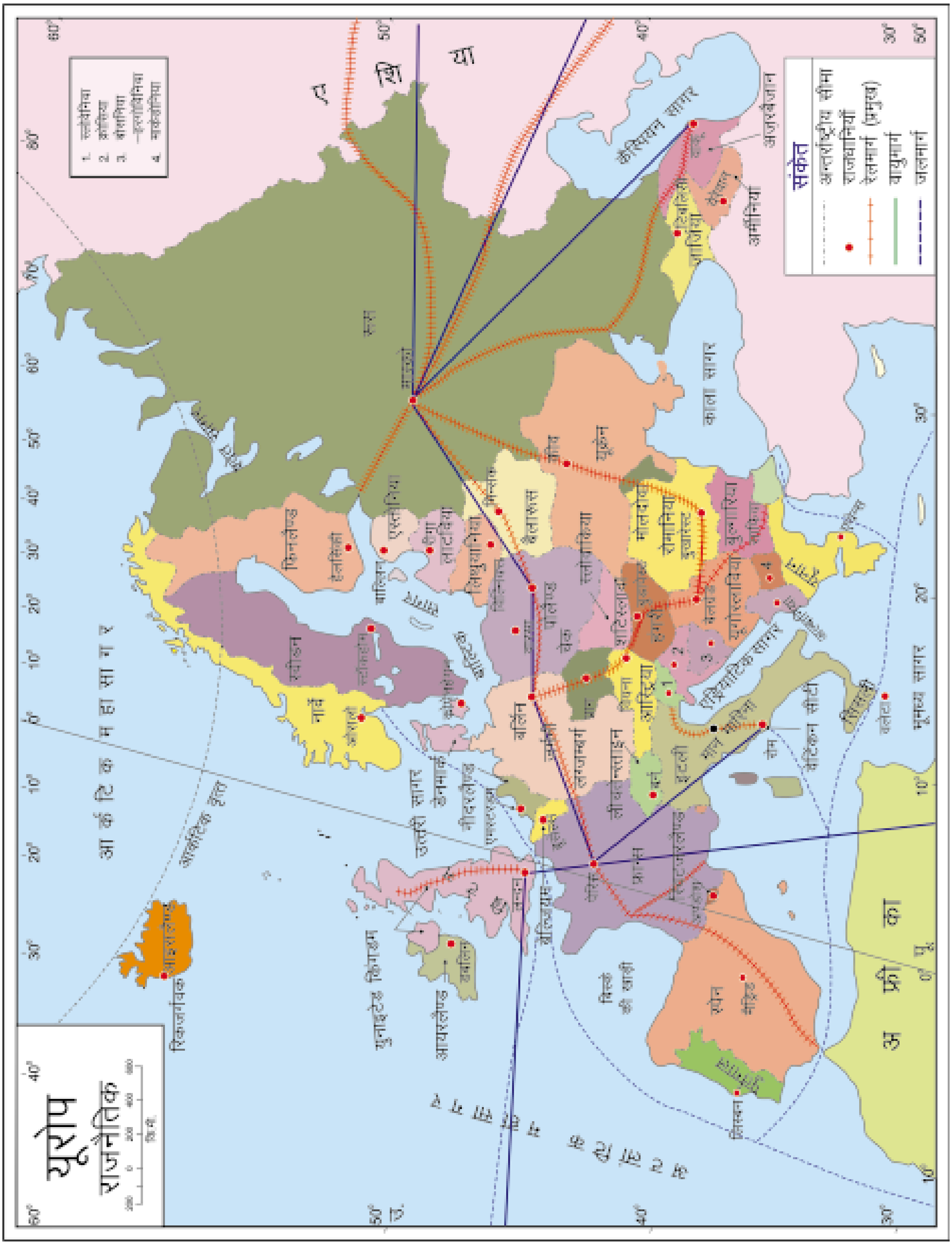

मानचित्र क्र.-14: यूरोप राजनैतिक

गतिविधि

यूरोप महाद्वीप के राजनैतिक मानचित्र को ध्यान से देखते हुए तालिका को पूर्ण कीजिए–

- **क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा देश है – ....**
- **उत्तर दिशा में स्थित किन्हीं दो देशों के नाम लिखिए**

  (1) .... (2) ....
- **महाद्वीप के दक्षिण में स्थित सागर का नाम लिखिए–**

  ....
- **ग्रेट ब्रिटेन की राजधानी का नाम क्या है? ....**

यूरोप महाद्वीप की विशेषताएँ

- यूरोप महाद्वीप की स्थिति अफ्रीका, एशिया, उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका के मध्य में है, इसलिए इन महाद्वीपों को जाने के लिए समुद्री मार्गों की सुविधा है।
- यूरोप का अधिकांश भाग शीतोष्ण कटिबन्ध में होने से यहाँ की जलवायु जनजीवन के लिए अनुकूल है, क्योंकि यह न तो अधिक गर्म है और न अधिक ठण्डी।
- यूरोप महाद्वीप के समुद्री तट बहुत अधिक कटे-फटे होने के कारण इसके तटों की लम्बाई अधिक है, जो आंतरिक जल यातायात की उत्तम सुविधा प्रदान करता है तथा मछलियाँ पकड़ने के लिए आदर्श स्थान प्रदान करता है।

यूरोप की धरातलीय बनावट

यूरोप की धरातलीय स्थिति को जानने के लिए इसे चार प्राकृतिक भागों में बांटा जा सकता है –

(1) उत्तरी पश्चिमी उच्च भूमि (पर्वत व पठार) (2) मध्य के विशाल मैदान।

(3) मध्यवर्ती पठार। (4) दक्षिणी अल्पाइन पर्वत माला।

1. उत्तरी-पश्चिमी उच्च भूमि (पर्वत व पठार)- महाद्वीप के उत्तरी-पश्चिमी भाग में पर्वत और पठार है। इनका विस्तार नार्वे और स्वीडन नामक देशों में अधिक है। अतः इन्हें नार्वे और स्वीडन के पर्वत और पठार भी कहते हैं। इसे स्केन्डिनेवियन पर्वत भी कहा जाता है (देखिए मानचित्र क्र. 15)। नार्वे के समुद्री तट बहुत कटे-फटे, सँकरे (कम चौड़े) और अधिक ढालू है, जिन्हें फियोर्ड तट कहते हैं। इस उच्च भूमि पर मिट्टी की सतह पतली तथा ढाल तेज होने से जमीन कृषि के लिए उपयुक्त नहीं है। इसीलिए यहाँ जनसंख्या बहुत कम है (लगभग 10 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.)।

2. मध्य के विशाल मैदान- यूरोप महाद्वीप के ये मैदान पश्चिम में अटलांटिक महासागर के तट पर फ्रांस से लेकर पूर्व में यूराल पर्वत तक यूरोपीय रूस में फैले हुए हैं। मैदानों की चौड़ाई रूस में सबसे अधिक है और ये पश्चिम की ओर क्रमशः सँकरे होते गए हैं। उत्तर में श्वेत सागर से लेकर दक्षिणी पर्वतमाला तक इन मैदानों का विस्तार है। अनेक नदियों के कछार से बनने के

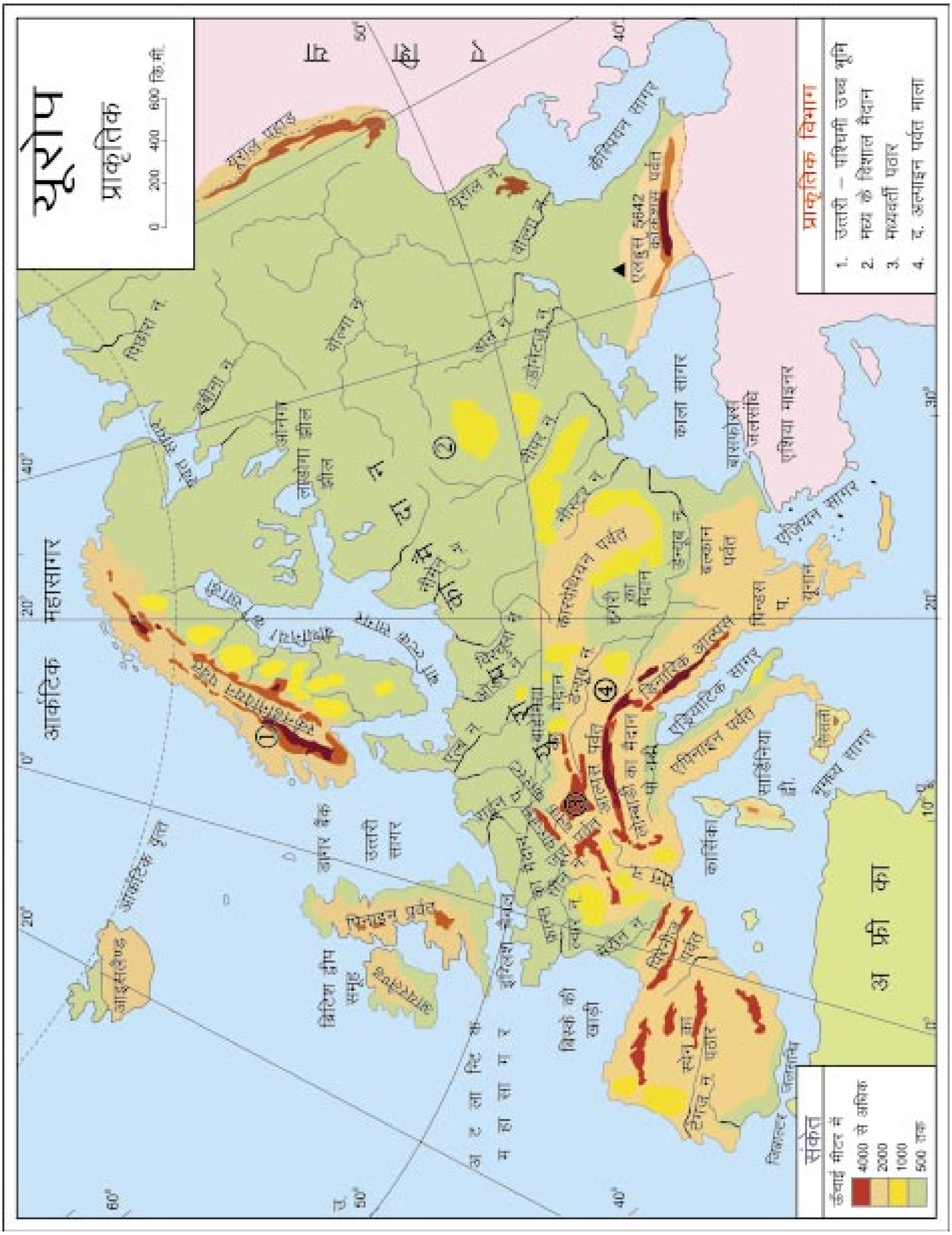

मानचित्र क्र.-15: यूरोप प्राकृतिक

कारण इन मैदानों की भूमि उपजाऊ है। यूरोप के पश्चिमी भाग में संसार की सबसे घनी जनसंख्या होने का एक कारण उन्नत कृषि है।

मैदान के पूर्वी भाग में यूरोप की सबसे बड़ी नदी वोल्गा है, जो कैस्पियन सागर में गिरती है। पश्चिम में दूसरी बड़ी नदी डेन्यूब है, जो काला सागर में गिरती है। इनके अलावा सीन, राइन, एल्वन, ओडर आदि महत्वपूर्ण नदियाँ भी पश्चिमी भाग में हैं। रूस के उत्तर पश्चिम में लडोगा सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।

3. मध्यवर्ती पठार- यूरोप के मैदानी भाग के दक्षिण में पठारों और कम ऊँचे पर्वतों की श्रृंखला फैली हुई है। इनमें फ्रांस का मध्यवर्ती मैसिफ, ब्लैक फारेस्ट और बोहेमियाँ के पठार हैं। पुर्तगाल व स्पेन में भी पठारों का विस्तार है। अधिकांश भाग चट्टानी और अनुपजाऊ मिट्टी का होने से कृषि योग्य नहीं है।

4. दक्षिणी अल्पाइन पर्वत माला- पुराने पहाड़ों और पठारों के अलावा दक्षिण में ऊँचे नवीन पर्वतों की श्रृँखला भी है। यह श्रृंखला पश्चिम में अटलांटिक महासागर से पूर्व में कैस्पियन सागर तक फैली है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण आल्प्स पर्वत श्रृंखला है, जिसकी सबसे ऊँची चोटी माउन्ट ब्लैक है। अन्य पर्वत श्रेणियों में पेरेनीज, एपीनाइन, डिनारिक, कार्पेशियन और कॉकेशस है। कॉकेशस पर्वत की एलब्रुस चोटी 5633 मीटर ऊँची है, जो यूरोप की सबसे ऊँची चोटी है।

यूरोप की जलवायु

यूरोप महाद्वीप का अधिकांश भाग शीतोष्ण कटिबन्ध में है, जहाँ न अधिक गर्मी होती है और न अधिक ठण्ड। यूरोप के पश्चिमी भाग में कटे-फटे समुद्री तट होने से समुद्र की सम जलवायु का प्रभाव आन्तरिक भू भाग में दूर तक पड़ता है। समुद्री गर्म जलधाराओं का प्रभाव भी यहाँ पड़ता है। यूरोप में साल भर चलने वाली पछुआ हवाओं से और समुद्री धाराओं के प्रभाव से पश्चिम में पर्याप्त वर्षा, (लगभग 200 से.मी.) होती है। यूरोप की मध्यवर्ती और पूर्वी भाग की जलवायु में भिन्नता है। यूरोप की औसत वार्षिक वर्षा एवं तापक्रम को जानने के लिए मानचित्र क्र. 16 को ध्यान से देखिए। पश्चिम से पूर्व की ओर जाने पर वर्षा कम होती जाती है तथा ठण्ड बढ़ती जाती है। यहाँ महाद्वीपीय जलवायु है, जिसमें गर्मियाँ अधिक गर्म और सर्दियाँ अधिक ठण्डी होती है। पर्वतीय भागों में वर्षा 100 से 200 से.मी. तक होती है।

दक्षिणी यूरोप में स्थानीय हवाओं से गर्मियों में वर्षा नहीं होती परन्तु, पछुआ हवाओं से सर्दियों में 100 से.मी. से 150 से.मी. तक वर्षा होती है। यहाँ भूमध्य सागरीय जलवायु है, जिसमें गर्मी की ऋतु लम्बी और सूखी तथा शीत ऋतु छोटी और नम होती है।

यूरोप के उत्तरी भाग की जलवायु ठण्डी है, जहाँ वर्षा कम और हिम के रूप में होती है। गर्मी की ऋतु छोटी होती है। रूस और नार्वे देशों के अधिकांश उत्तरी भाग में तेज ठण्डी हवाओं के कारण लगभग साल भर बर्फ जमी रहती है। इसे टुण्ड्रा की जलवायु कहते हैं।

शिक्षण संकेत

- शिक्षक समुद्री और महाद्वीपीय जलवायु का अन्तर समझाएँ।
- यूरोप के वन क्षेत्रों को छात्रों से रेखा मानचित्र में भरवाएँ।

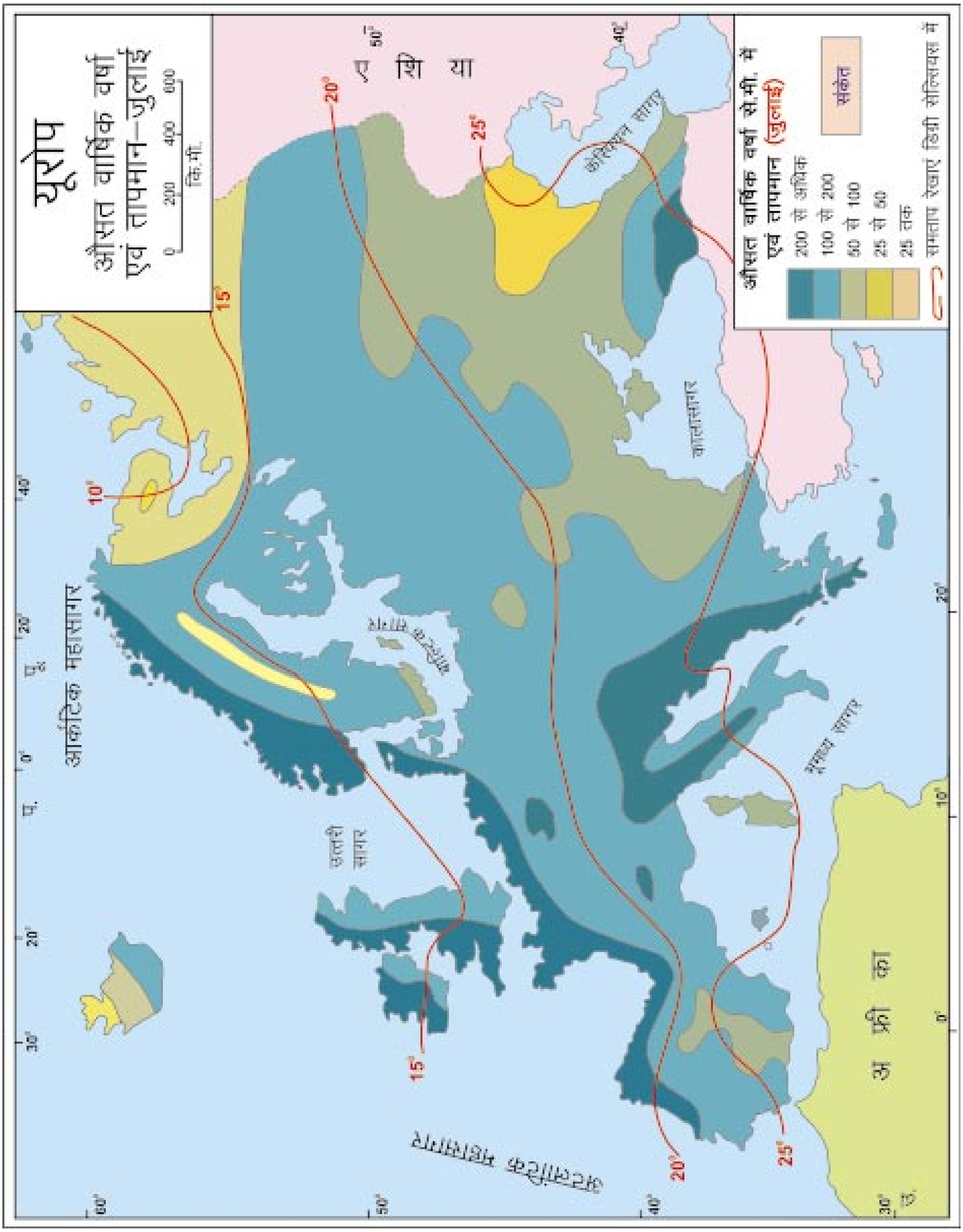

मानचित्र क्र.-16: यूरोप की औसत वार्षिक वर्षा एवं तापमान

यूरोप की वनस्पति एवं जीव-जन्तु

यूरोप महाद्वीप के लगभग एक चौथाई भाग में वन हैं, जो निम्नलिखित क्षेत्रों में पाये जाते हैं–

1. टुण्ड्रा के वन- महाद्वीप के सबसे उत्तरी भाग में नार्वे देश के उत्तर में टुन्ड्रा प्रदेश हैं। जहाँ साल भर बर्फ जमी रहती है। यहाँ वनों का अभाव है। गर्मियों में बर्फ पिघलने पर लिचेन नामक काई और मॉस नामक छोटी झाड़ियाँ उग आती हैं, जो सर्दियों में फिर बर्फ से ढक जाती हैं। यहाँ का प्रमुख पशु रेण्डियर है।

2. टैगा के वन- टुण्ड्रा के दक्षिण में 55° से 65° उत्तर अक्षांशों के बीच के प्रदेश में कोणधारी पेड़ों के वन पाये जाते हैं, जिन्हें टैगा कहते हैं। यहाँ के पेड़ों की आकृति कोंण के समान और पत्तियाँ नुकीली होती हैं। इन वनों की लकड़ी कोमल होती है, जो फर्नीचर, कागज और जलयान बनाने में विशेष रूप से उपयोगी हैं। मुख्य वृक्ष फर, पाइन, स्प्रूस, लार्च आदि हैं। जीव-जन्तुओं में कैरिबू, भालू, उल्लू, बाज आदि हैं।

3. मिश्रित वन- यूरोप के मध्यवर्ती व पश्चिमी भाग में कोणधारी और चौड़ी पत्ती वाले मिश्रित वन हैं। यह वन टैगा वनों के दक्षिण में पाये जाते हैं। जिनमें– ओक, ऐस, पोपलर आदि वृक्ष मुख्य हैं। यहाँ हिरण, खरगोश, सिंह, तेंदुआ पाये जाते हैं। वनों में इमारती व जलाऊ दोनों प्रकार की लकड़ियाँ मिलती हैं।

4. स्टेप्स के घास के मैदान- यूरोप के दक्षिणी-पूर्वी भाग में कम वर्षा के क्षेत्र में छोटी घास विशेष रूप से पैदा होती है। यहाँ पशुपालन प्रमुख धंधा है। जिससे दुग्ध पदार्थों का उत्पादन अधिक होता है। अब इन मैदानों में सिंचाई की व्यवस्था करके कृषि कार्य को बढ़ावा दिया जा रहा है।

5. भूमध्य सागरीय वनस्पति- यूरोप के दक्षिण में भूमध्य सागर के पास विशेष प्रकार की भूमध्य सागरीय वनस्पति पाई जाती है। गहरी जड़ों वाले छोटे पौधे इस जलवायु में विशेष रूप से पैदा होते हैं। ये छोटी, मोटी और चमकीली पत्तियों वाले वृक्ष होते हैं। नारियल, चेस्टनट, कार्क और ओक मुख्य वृक्ष हैं। यहाँ की जलवायु रसीले फलों के लिए अच्छी है, जिससे अंगूर, संतरा, नारंगी, आदि फल बहुत पैदा किए जाते हैं।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–

(अ)		(ब)
(1) वोल्गा नदी	-	एलब्रुस चोटी
(2) नुकीली पत्ती वाले वन	-	कैस्पियन सागर
(3) काकेशस पर्वत	-	रेण्डियर
(4) टुण्ड्रा	-	माउण्ट ब्लैक
(5) आल्प्स	-	टैगा

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) क्षेत्रफल की दृष्टि से यूरोप -------- महाद्वीप से बड़ा है।

(2) यूरोप की सबसे बड़ी नदी -------- है।

(3) यूरोप महाद्वीप का अधिकांश भाग ------ कटिबन्ध में फैला है।
(4) आल्प्स पर्वत का सबसे ऊँचा शिखर -------- है।
(5) यूरोप की पूर्वी सीमा -------- पर्वत बनाता है।

3. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) यूरोप महाद्वीप का अक्षांशीय विस्तार लिखिए।
(2) यूरोप की कौन सी महत्वपूर्ण नदी काला सागर में गिरती है?
(3) यूरोप की जलवायु पर किन हवाओं का प्रभाव सबसे अधिक है?
(4) भूमध्यसागरीय वनस्पति की विशेषताएँ क्या है?

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) यूरोप की जलवायु तथा वनस्पति का वर्णन कीजिए।
(2) यूरोप के प्राकृतिक विभागों का वर्णन कीजिए।

मानचित्र कार्य– निम्नांकित को यूरोप के रेखा मानचित्र में दर्शाइए–

(1) आल्प्स और स्केन्डिनेवियन पर्वत।
(2) सीन, राइन और वोल्गा नदियाँ।
(3) टैगा वनों का क्षेत्र।
(4) आइसलैण्ड, नार्वे।
(5) बाल्टिक सागर, भूमध्य सागर, काला सागर, श्वेत सागर।